Exam Date:- 17.11.2022

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।/Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
No. of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150
Paper Code : 05
SUBJECT : Vyakaran

LSK-22

Paper-II

प्रश्न पुस्तिका संख्या / Question Booklet No. 600193

समय : 03:00 घण्टे Time : 03:00 Hours

अधिकतम अंक : 300 Maximum Marks: 300

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :–

- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के **5** मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-

- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Question of Question booklet and OMR answer sheet are properly printed. All question as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. **OMR** उत्तर–पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर–पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से विवरण भरें।
6. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानी पूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः **1, 2, 3, 4** अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर–पत्रक पर **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से गहरा करना है।
9. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेज़ी रूपान्तरों में से अंग्रेज़ी रूपान्तर मान्य होगा।
10. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित हैं। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों–प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. The **OMR** Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
6. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Answer Sheet. Candidate will themselves be responsible for filling wrong Roll Number.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN.**
9. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature, then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
10. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Prevention of Unfair means) Act, 2022 & any other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति, परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानी पूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे। परीक्षार्थी कार्बन प्रति को अपने साथ ले जायेंगे।

1. 'आङिचापः' इत्यस्य सूत्रस्य प्रयोगः भवति –

(1) रमा शब्दस्य तृतीया विभक्तौ एकवचने
(2) रमा शब्दस्य तृतीया विभक्तौ द्विवचने
(3) रमा शब्दस्य षष्ठी विभक्तौ एकवचने
(4) रमा शब्दस्य पञ्चमी विभक्तौ एकवचने

2. हरी + एतौ इत्यत्र भवति –

(1) अयादिसन्धिः
(2) गुणसन्धिः
(3) यण्सन्धिः
(4) प्रकृतिभावः

3. 'क्रीणन्ति' इत्यत्र भवति –

(1) 'ई हल्यघोः' इति सूत्रेण ईकारादेशः।
(2) 'श्नाभ्यस्तयोरातः' इति सूत्रेण आकारलोपः।
(3) 'अदभ्यस्तात्' इति सूत्रेण अत् आदेशः।
(4) 'अतो गुणे' इति सूत्रेण पूर्वरूप एकादेशः।

4. 'शार्ङ्गिञ्जयः' अत्र कः सन्धिः?

(1) श्चुत्वः
(2) ष्टुत्वः
(3) ङमुट्
(4) पूर्वसवर्णः

5. 'अपृथक्त्वेऽपि शक्तिभ्यः पृथक्त्वेनेव वर्तते' इत्यत्र अस्ति वर्णनम् –

(1) वेदानाम्
(2) जगतः
(3) शब्दब्रह्मणः
(4) ओंकारस्य (प्रणवस्य)

6. 'पूर्वत्रासिद्धम्' इत्यत्र मनोरमाकारेण स्वीकृतः सिद्धान्तः अस्ति –

(1) कार्यसिद्धत्वम्
(2) शास्त्रसिद्धत्वम्
(3) कार्यासिद्धत्वम्
(4) शास्त्रासिद्धत्वम्

7. 'कृत्वा' इत्यस्य अव्ययसंज्ञा भवति –

(1) 'कृन्मेजन्तः' सूत्रेण
(2) 'क्त्वातोसुन्कसुनः' सूत्रेण
(3) 'स्वरादिनिपातमव्ययम्' सूत्रेण
(4) 'अव्ययात्त्यप्' सूत्रेण

8. 'इको यणचि' इत्यत्र इक् प्रत्याहारे ईकारस्यापि ग्रहणं भवति? अस्य समाधानं प्रौढमनोरमाकारः प्रस्तौति –

(1) प्रत्याहार ग्रहणेषु तद्वाच्यवाच्ये निरूढा लक्षणा।
(2) तस्यावयवो योविसर्जनीय् इतिवैयधिकरण्येन सम्बन्धः।
(3) पदस्येत्यनुवृत्तंससजूर्भ्यां विशेष्यते।
(4) शीतलशब्दे सवर्णदीर्घ आदिशब्दार्थः।

9. 'श्लौ' सूत्रेण भवति –

(1) श्लुः प्रत्ययः
(2) प्रत्ययस्य लोपः
(3) धातोर्द्वित्वम्
(4) धातोर्गुणः

10. प्रसिद्ध–मनोवैज्ञानिक स्पीयरमैन–मतेन किशोरावस्थायां बुद्धेः अधिकतमः विकासो भवति –

(1) दशतः पञ्चदशवर्षपर्यन्तम्
(2) द्वादशतः त्रयोदशवर्षपर्यन्तम्
(3) चतुर्दशतः षोडशवर्षपर्यन्तम्
(4) पञ्चदशतः विंशतिवर्षपर्यन्तम्

11. 'अरण्ये बिभेति' अत्र 'भीत्रार्थानां भयहेतुः' अनेन सूत्रेण पंचमी कथन्न?

(1) अभयत्वात्
(2) सप्तमी विभक्तिः बलीयसी
(3) भयहेतुशून्यत्वात्
(4) भयहेतु स्वयमेव बिभेति

12. 'हलदन्तात् सप्तम्याः संज्ञायाम्' अनेन सूत्रेण कार्यं भवति –

(1) हलन्तादन्ताच्च सप्तम्या अलुक् संज्ञायाम्।
(2) हलन्तादन्तात् सप्तम्याः लुक् संज्ञायाम्।
(3) हलन्ताद् सप्तम्याः लुक् संज्ञायाम्।
(4) हलन्तादजन्ताद् वा सप्तम्या अलुक् संज्ञायाम्।

13. "किशोरावस्था महतां संघर्ष–तनाव–झंझावात–विरोधादीनाम् अवस्थाऽस्ति।" विचारस्यास्य प्रणेता कः?

(1) ब्लेयर
(2) विलियम जोन्स
(3) जरशील्ड
(4) स्टेनले हॉल

14. 'पच्' धातोः परस्य प्रत्ययस्य वकारादेशो भवति –

(1) क प्रत्ययस्य ककारस्य
(2) यत् प्रत्ययस्य यकारस्य
(3) क्त प्रत्ययस्य तकारस्य
(4) ख प्रत्ययस्य खकारस्य

15. भो विद्वद्वृन्द! अत्र यकारस्य लोपो भवति –

(1) 'उञि च पदे'
(2) 'हलि सर्वेषाम्'
(3) 'लोपो व्योर्वलि'
(4) 'लोपः शाकल्यस्य'

16. 'आसीत्' अत्र केन सूत्रेण ईटागमः भवति?

(1) 'आर्धधातुकस्येड्वलादेः'
(2) 'अस्तिसिचोऽपृक्ते'
(3) 'लुङ्लङ्लृङ्क्ष्वडुदात्तः'
(4) 'ऋतश्च संयोगादेः'

17. 'अनो बहुव्रीहे' इति सूत्रेण किं कार्यं भवति?

(1) अनन्ताद् बहुव्रीहे ङीप् स्यात्
(2) अनन्ताद् बहुव्रीहे ङीप्–निषेधः
(3) अनन्ताद् बहुव्रीहे ङीष्–निषेधः
(4) अनन्ताद् बहुव्रीहे ङीष् स्यात्

18. 'उपसमिधम्' अत्र कः प्रत्ययोऽस्ति?

(1) घः
(2) टच्
(3) इतच्
(4) इट्

19. मनोरमाकारेण 'अन्तादिवच्च' सूत्रस्य उपयोगिता न स्वीकृता –

(1) 'स्थानिवदादेशोऽनल्विधौ' इति सूत्रेणैव गतार्थत्वात्।
(2) 'एकः पूर्वपरयोः' इति सूत्रेणैव गतार्थत्वात्।
(3) 'अचः परस्मिन् पूर्वविधौ' इति सूत्रेणैव गतार्थत्वात्।
(4) 'आदेः परस्य' इति सूत्रेणैव गतार्थत्वात्।

20. महान् + लिखति कः सन्धिः?

(1) पूर्वसवर्णः
(2) परसवर्णः
(3) पूर्वरूपः
(4) पररूपः

21. 'अग्नेर्ढक्' सूत्रेण 'अग्नि' प्रातिपदिकात् ढक् प्रत्ययो भवति –

(1) तस्य अपत्यम् अर्थे
(2) तस्य विकारः अर्थे
(3) सास्य देवता अर्थे
(4) दृष्टं साम अर्थे

22. "भू' धातोः 'वुक्' आगमो भवति –

(1) विधिलिङ् लकारे
(2) लोट् लकारे
(3) लिट् लकारे
(4) लृट् लकारे

23. 'अभूत्' इत्यत्र भू धातोः गुणो न भवति –

(1) 'कर्तृकर्मणोश्च' भू कृञोः सूत्रेण
(2) 'न भूसुधियोः' सूत्रेण
(3) 'तिङि चोदात्तवति' सूत्रेण
(4) 'भूसुवोस्तिङि' सूत्रेण

24. 'भावे' सूत्रेण प्रत्ययो भवति –

(1) 'घञ्'
(2) 'ण्वुल्'
(3) 'तव्यत्'
(4) 'क'

25. कस्य सूत्रस्योदाहरणम् अस्ति –
"घनाघनः क्षोभनश्चर्षणीनाम्"।

(1) 'सोऽपदादौ'
(2) 'वा शरि'
(3) 'शर्परे' विसर्जनीयः
(4) 'नमस्पुरसोर्गत्यो'

26. ह्रस्वस्य अवर्णस्य प्रयोगे आभ्यन्तरप्रयत्नो भवति –

(1) स्पृष्टम्
(2) विवृतम्
(3) ईषत्स्पृष्टम्
(4) संवृतम्

27. 'आश्चर्यो गवां दोहोऽगोपेन' अत्र केन सूत्रेण षष्ठी विभक्तिः?

(1) उभय प्राप्तौ कर्मणि
(2) कर्तृकर्मणोः कृति
(3) षष्ठी हेतुप्रयोगे
(4) क्तस्य च वर्तमाने

28. "यासां विशेषतानां (येषां प्रश्नानां वा) किशोरः स्पष्टीकरणम् इच्छन्ति, ताः (ते) सन्ति – सः कोऽस्ति? समाजे तस्य भूमिका किं भविष्यति? सः बालकोऽस्ति वयस्को वा?" किशोरावस्थासन्दर्भे अस्य विचारस्य प्रस्तोता कः?

(1) जेंसिल्ड
(2) एरिक्सन
(3) ब्लेयर
(4) सिम्पसन

29. 'अट्' प्रत्याहारे हकारग्रहणस्य फलमस्ति –

(1) 'अर्हेण' इत्यत्र णत्वविधानम्
(2) 'मनोरथ' इत्यत्र उत्वविधानम्
(3) 'रामान्' इत्यत्र णत्वनिषेधः
(4) 'हे राम'! इत्यत्र सुब्लुक्

30. कम्प्यूटर–प्रोग्रामिंग निमित्तं प्रयुज्यमाना का भाषा 'पोर्टेबल भाषा' अपि कथ्यते –

(1) सी
(2) पास्कल
(3) कोबोल
(4) बेसिक

31. नन्वध्येता शयितेत्यादौ इङ् शीङोर्ङित्वात् गुण निषेधः स्यात् अत आह –

(1) कार्यमनुभवन् हि कार्यो निमित्ततया नाश्रीयते।
(2) उभयगतिरिह भवति।
(3) नानुबन्धकृतमसारूप्यम्।
(4) नानुबन्धकृतमनेजन्तत्वम्।

32. कर्तृकर्मसंख्याकालाः कस्यार्थः?

(1) सुपः
(2) तिङर्थः
(3) शक्तेः
(4) वाक्यस्य

600193

33. 'स्मारं–स्मारम्' इत्येतत् अव्ययसंज्ञकमस्ति –

(1) स्वरादिगणत्वात् (2) चादिगणत्वात्

(3) असर्वविभक्तिः तद्धितान्तत्वात् (4) मकारान्तकृदन्तत्वात्

34. 'त्व' इति प्रत्ययान्तस्य पदस्य प्रयोगः कस्मिन् लिङ्गे भवति?

(1) पुंसि (2) स्त्रीपुंसयोः उभये

(3) स्त्रियाम् (4) नपुंसके

35. रमा शब्दस्य कस्यां विभक्तौ याट् आगमः न भवति?

(1) रमायै (2) रमायाः

(3) रमया (4) रमायाम्

36. संगणके 'सॉफ्टवेयर' रूपेण कार्यं करोति –

(1) एप्लिकेशन्स (2) माउस

(3) की–बोर्ड (4) मॉनिटर

37. 'दूरान्तिकार्थक–शब्देभ्यः' विभक्तयः भवन्ति –

(1) द्वितीया, तृतीया, पञ्चमी, सप्तमी (2) तृतीया, पञ्चमी, सप्तमी

(3) द्वितीया, पञ्चमी, सप्तमी (4) द्वितीया, तृतीया, पञ्चमी

38. थॉर्नडाइकद्वारा प्रतिपादितेषु अधिगमनियमेषु सम्मिलितो नास्ति –

(1) तत्परतायाः नियमः (2) अभ्यासस्य नियमः

(3) प्रभावस्य नियमः (4) तत्त्वप्रबलतायाः नियमः

39. प्रसिद्ध–शिक्षामनोवैज्ञानिक रायबर्नद्वारा प्रतिपादितेषु शिक्षायाम् त्रिषु सम्बन्धेषु सम्मिलितो नास्ति –

(1) बालक–शिक्षकयोः सम्बन्धः (2) बालक–परिवारयोः सम्बन्धः

(3) बालक–समाजयोः सम्बन्धः (4) बालक–विषययोः सम्बन्धः

40. पदच्छेद–पूर्वकं, सुस्वरपूर्वकं, लयपूर्वकं, माधुर्यसहितं अक्षरव्यक्तपूर्वकं यः पठतिः पाठयति च कस्य लक्षणम् अस्ति?

(1) सुविख्यात पाठकस्य दुर्गुणाः (2) कुपाठकस्य दुर्गुणाः

(3) अधम पाठकस्य गुणाः (4) उत्तम पाठकस्य गुणाः

41. षट् + सन्तः इत्यत्र भवति –

(1) ष्टुत्वसन्धिः (2) श्चुत्वसन्धिः

(3) ष्टुत्वसन्धिनिषेधः (4) श्चुत्वसन्धिनिषेधः

42. गेस्टाल्ट–मनोविज्ञानस्य प्रमुखेषु योगदानकर्तृषु सम्मिलितो नास्ति –

(1) मैक्स वर्दाइमर (2) कर्ट कोफ्का

(3) कोहलर (4) मैकडूगल

43. 'प्रपठ्य' इत्यत्र वलादिलक्षण इट् आगमो न भवति। यतोहि –

(1) स्थान्यवयवस्य अलः प्राधान्येन आश्रयणत्वात् निषेधः भवति।

(2) स्थान्यवयवस्य अलः गौणत्वेन आश्रयणत्वात् निषेधः भवति।

(3) स्थान्यवयवस्य अलः यथाकथञ्चिदपि (उभयथा) आश्रयणत्वात् निषेधः भवति।

(4) इट् आगमस्य निषेधः न भवति।

600193

44. पाणिनीय शिक्षानुसारेण स्वराः कतिविधाः?

(1) विंशतिः
(2) विंशतिरेकः
(3) त्रयोविंशतिः
(4) पञ्चविंशतिः

45. 'इट्' आगमस्य स्थाने गुणवृद्धी न भवतः –

(1) 'न धातुलोपे आर्धधातुके' सूत्रेण
(2) 'दीधीवेवीटाम्' सूत्रेण
(3) 'क्ङिति च' सूत्रेण
(4) 'नाऽऽज्झलौ' सूत्रेण

46. 'कण्डूयति' इत्यस्मिन् पदे धातोः कः प्रत्यय?

(1) यङ्
(2) यक्
(3) क्यङ्
(4) क्यच्

47. परमलघुमञ्जूषा–अनुसारं स्फोटाः सन्ति –

(1) त्रयः
(2) षड्
(3) द्वौ
(4) अष्टौ

48. 'राजश्वसुराद्यत्' सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति –

(1) राज्यम्
(2) राजनः
(3) राजन्यः
(4) राजनैतिकः

49. 'सन्नच्युतः' कस्य सूत्रस्योदाहरणम्?

(1) नपरेनः
(2) हेमपरे वा
(3) नश्च
(4) ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्

50. 'रोरि' इत्यनेन रेफे परे कस्य लोपः स्यात्?

(1) उकारस्य
(2) ईकारस्य
(3) विसर्गस्य
(4) रेफस्य

51. 'जन्मादयो विकारा षड् भावभेदस्य योनयः' इत्यत्र जन्मादयः षड् विकाराः वर्णिताः, तेषां क्रमः अस्ति –

(1) जायते अस्ति विपरिणमते वर्द्धते अपक्षीयते विनश्यति।
(2) अस्ति जायते विपरिणमते वर्द्धते अपक्षीयते विनश्यति।
(3) जायते अस्ति वर्द्धते विपरिणमते अपक्षीयते विनश्यति।
(4) जायते वर्द्धते विपरिणमते अपक्षीयते अस्ति विनश्यति।

52. अपादानादिविशेषैर विवक्षितस्य कारकस्य का संज्ञा स्यात्?

(1) अपादान
(2) सम्प्रदान
(3) करण
(4) कर्म

53. ननु 'लण्' अइउण् सूत्रयोर्णकारद्वयस्यैवोपा–दानेनाणिण् ग्रहणेषु सन्देहादनिर्णयोऽत आह –

(1) यथोद्देश संज्ञा परिभाषम्।
(2) कार्यकाल संज्ञा परिभाषम्।
(3) व्याख्यानतो विशेष प्रतिपत्तिर्नहि सन्देहादलक्षम्।
(4) एकान्ताः अनुबन्धाः।

54. 'जाड्यम्' इत्यत्र भावे ष्यञ् प्रत्ययो भवति –

(1) 'वर्णदृढादिभ्यः ष्यञ् च' सूत्रेण
(2) 'पृथ्वादिभ्यः इमनिज्वा' सूत्रेण
(3) 'गुणवचनब्राह्मणादिभ्यः कर्मणि च' सूत्रेण
(4) 'तस्य विकारः' सूत्रेण

55. अभिक्रमितानुदेशनस्य अधिगमसिद्धांन्तेषु सम्मिलितो न भवति –

(1) लघुपदीय–सिद्धान्तः
(2) स्वगति–सिद्धान्तः
(3) छात्रसुरक्षायाः सिद्धान्तः
(4) तात्कालिक प्रतिपुष्टेः सिद्धान्तः

56. 'औत्' इत्यस्य सूत्रस्य प्रयोगः कस्मिन् पदेऽभवत्?

(1) सख्यौ
(2) सर्वस्मै
(3) रामयोः
(4) सख्ये

57. 'कुम्भकारः' इत्यत्र समासः अस्ति –

(1) उपपदतत्पुरुषसमासः
(2) द्वितीयातत्पुरुषसमासः
(3) समानाधिकरणतत्पुरुषसमासः
(4) नञ्तत्पुरुषसमासः

58. 'अधिहरि' इत्यत्र विभक्तेः लोपः भवति –

(1) 'अव्ययादाप्सुँपः' सूत्रेण
(2) 'अव्ययीभावश्च' सूत्रेण
(3) 'अव्ययीभावे' चाकाले सूत्रेण
(4) 'शेषे लोपः' सूत्रेण

59. 'सार्वधातुके यक्' इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति –

(1) भूयते
(2) बोभूयते
(3) कण्डूयति
(4) चेकीयते

60. "शिक्षया ममाभिप्रायो बालकस्य मनुष्यस्य च शारीरिक – बौद्धिक – आत्मिक – इत्येतेषां सर्वोत्तमांशानाम् अभिव्यक्तिरस्ति।।" अस्य विचारस्य वक्ता कः?

(1) जॉन डीवी
(2) महात्मा गांधी
(3) एस. राधाकृष्णन्
(4) स्वामी विवेकानन्दः

61. वंशानुक्रमस्य त्रिषु नियमेषु सम्मिलितो नास्ति –

(1) समानतायाः नियमः
(2) भिन्नतायाः नियमः
(3) प्रत्यागमनस्य नियमः
(4) समाजस्य नियमः

62. अभिहिते कर्मणि कारके विभक्तिः भवति –

(1) प्रथमा
(2) द्वितीया
(3) तृतीया
(4) सप्तमी

63. जातिगुणक्रियासंज्ञाभिः समुदायादेकस्य पृथक्करणं यतस्ततः कौ विभक्तौ स्तः?

(1) द्वितीया सप्तमी च
(2) द्वितीया षष्ठी च
(3) पञ्चमी षष्ठी च
(4) षष्ठी सप्तमी च

64. सकारस्य बाह्यप्रयत्नाः के?

(1) संवार नाद घोषाः
(2) घोषाघोषाल्पप्राणाः
(3) उदात्तानुदात्तस्वरिताः
(4) विवार श्वासाघोषाश्च

65. आई.सी.टी. इत्यस्य संस्कृते समुचितं पूर्णं नाम चिनुत –

(1) सूचना–प्रसारण–औद्योगिकी
(2) सूचित–संचार–प्रौद्योगिकी
(3) सूचना–संचार–प्रौद्योगिकी
(4) सूचना–संचारोद्योगिकी

66. 'रुधादिगणे धातुभ्यः' कं सूत्रं बाधित्वा कः प्रत्ययः भवति?

(1) 'कर्त्तरिशप्' इति सूत्रं बाधित्वा 'श्यन्' इति प्रत्ययः।
(2) 'कर्त्तरिशप्' इति सूत्रं बाधित्वा 'श्नम्' इति प्रत्ययः।
(3) 'कर्तरिशप्' इति सूत्रं बाधित्वा 'शः' इति प्रत्ययः।
(4) 'तुदादिभ्यः शः' इति सूत्रं बाधित्वा 'शप्' इति प्रत्ययः।

67. 'पुंयोगादाख्यायाम्' इति सूत्रेण कः प्रत्ययः का च सिद्धिः?

(1) टाप् – गोपा
(2) ङीप् – गोपी
(3) ङीन् – ग्रोपी
(4) ङीष् – गोपी

68. 'नपुसकाच्च' सूत्रेणकिं रूपं सिद्धं भवति?

(1) ज्ञानेन
(2) ज्ञाने
(3) ज्ञानानि
(4) ज्ञानात्

69. 'ओः पुयण्ज्यपरे' सूत्रेण भवति –

(1) उकारस्य स्थाने ओकारादेशः।
(2) अकारस्य स्थाने इकारादेशः।
(3) ओकारस्य स्थाने इकारादेशः।
(4) उकारस्य स्थाने इकारादेशः।

70. 'मूक' (MOOC) मुक्त ऑनलाइन–पाठ्यक्रमस्य सर्वप्रथमं निर्माणं कृतम् –

(1) जॉर्ज साइमन–स्टीफन डाउन द्वारा
(2) कोह्लर–कोफ्का द्वारा
(3) क्रो–क्रो द्वारा
(4) एलिस क्रो–स्टीफन वाइस द्वारा

71. 'उपसर्गे घोः किः' इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणं नास्ति –

(1) सन्धिः
(2) प्रधिः
(3) उपधिः
(4) बुद्धिः

72. 'परिणामस्य नियमः' इत्यस्य उद्घोषकर्ता कः आसीत्?

(1) थॉर्नडाइक
(2) कोहलर
(3) पावलोव
(4) फ्रायड

73. कालवाचिनः शब्दात् निरन्तरसंयोगे फलप्राप्तौ सत्यां विभक्तिः भवति –

(1) द्वितीया
(2) तृतीया
(3) पञ्चमी
(4) प्रथमा

74. 'तारकितं नभः' इत्यत्र विग्रहो भवति –

(1) तारकेषु जातः
(2) तारकेषु भवः
(3) तारकानां पूरणः
(4) तारकाः सञ्जाताः अस्य

75. मनोविज्ञानक्षेत्रे व्यवहारवादस्य प्रमुखः प्रवर्तकः आसीत् –

(1) जॉन ब्रॉडस वाटसन
(2) प्रोफेसर पिल्सबरी
(3) जे.आर. ऐंगल
(4) डब्ल्यू.डब्ल्यू. नॉर्टन

76. "ऊकालोऽज्झस्वदीर्घप्लुतः" इति सूत्रस्य व्याख्यायां "वः" इति वाचकाः सन्ति।

(1) वकाराणाम्
(2) बकाराणाम्
(3) ओकाराणाम्
(4) उकाराणाम्

77. भावकर्मवाचिनि सार्वधातुके परे धातोर्यक् प्रत्ययः स्यात् –

(1) 'भावकर्मणोः' सूत्रेण
(2) 'सार्वधातुके यक्' सूत्रेण
(3) 'भावे च' सूत्रेण
(4) 'कण्ड्वादिभ्यो यक्' सूत्रेण

78. स्वरादिनिपातं किम्?

(1) प्रकरणम्
(2) कारकम्
(3) पदम्
(4) अव्ययम्

79. 'क्रोष्टुः' इत्यत्र ऋदन्तात् ङसिङसोरति परे उकार एकादेशो भवति –

(1) 'ऋत उत्' सूत्रेण
(2) 'ऋतश्च' सूत्रेण
(3) 'ऋतेरीयङ्' सूत्रेण
(4) 'ऋत्यकः' सूत्रेण

80. 'अन्तादिवच्च' इति सूत्रम् अल्विध्यर्थम् इत्येवं स्वीकृते सति 'अयजे + इन्द्रम्' इत्यत्र अनिष्टम् भवेत् –

(1) अयादिसन्धिरूपम् अनिष्टं स्यात्
(2) सवर्णदीर्घसन्धिरूपम् अनिष्टं स्यात्
(3) पूर्वरूपसन्धिरूपम् अनिष्टं स्यात्
(4) पररूपसन्धिरूपम् अनिष्टं स्यात्

81. 'समानकर्तृकयोः पूर्वकाले' सूत्रेण प्रत्ययो भवति –

(1) ण्वुल्
(2) क्त
(3) ल्युट्
(4) क्त्वा

82. कस्य मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तस्य मूलाधारः फ्रायड–जुंग एतयोः धारणाः सन्ति?

(1) मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्तस्य
(2) अस्तित्ववाद सिद्धान्तस्य
(3) अन्तर्दृष्टिवाद सिद्धान्तस्य
(4) साहचर्यवाद सिद्धान्तस्य

83. शैक्षिक मनोविज्ञानस्य सामान्य–उद्देश्येषु सम्मिलितं नास्ति –

(1) सिद्धान्तानाम् अन्वेषणं तथ्यानां संग्रहश्च।
(2) शिक्षणविधौ परिष्कारः।
(3) छात्राणां व्यक्तित्वविकासः।
(4) सम्पन्न छात्राणां तालिकानिर्माणम्।

84. 'निधिः' इत्यस्य प्रयोगः कस्मिन् लिङ्गे अभवत्?

(1) पुंल्लिङ्गे
(2) स्त्रीलिङ्गे
(3) नपुंसकलिङ्गे
(4) स्त्रीपुंसयोः

600193

600193

600193

600193

85. प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक – डी.सी. बर्नलाइनर मतेन शिक्षामनोविज्ञानस्य पितामहाः सन्ति –

(1) जेम्स–हॉल–डीवी
(2) जेम्स–लॉक–डीवी
(3) लॉक–हरबर्ट–डीवी
(4) हरबर्ट–हॉल–डीवी

86. 'अद्भिः' इत्यत्र प्रातिपदिकमस्ति –

(1) अद्
(2) अत्
(3) अभ्
(4) अप्

87. 'वारि' इत्यत्र सुँ प्रत्ययस्य लुक् भवति –

(1) 'ससजुषो रुँः' सूत्रेण
(2) 'स्वमोर्नपुंसकात्' सूत्रेण
(3) 'स नपुंसकम्' सूत्रेण
(4) 'अतोऽम्' सूत्रेण

88. 'दण्डी' इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः?

(1) ङीन्
(2) ठक्
(3) इनि
(4) इक

89. 'द्वियमुनम्' इत्यत्र कस्मिन्नर्थे अव्ययीभाव समासः भवति?

(1) चार्थे
(2) समाहारार्थे
(3) अन्य पदार्थे
(4) संज्ञार्थे

90. ताल्वादिषु समागेषु स्थानेषूर्ध्वभागे निष्पन्नोऽज् .... संज्ञं स्यात्।

(1) उदात्त
(2) अनुदात्त
(3) स्वरित
(4) अनुदात्तस्वरितौ

91. 'वात्स्यः' इत्यत्र गोत्रापत्ये अर्थे यञ् प्रत्ययो भवति –

(1) गर्गादिभ्यो यञ् सूत्रेण
(2) यञञोश्च सूत्रेण
(3) यञिञोश्च सूत्रेण
(4) बाह्वादिभ्यश्च सूत्रेण

92. अधोलिखित–विधिषु यत्र शिक्षकः प्रयोगकर्ता वा छात्रव्यवहाराणाम् अध्ययनं नियन्त्रितपरिस्थितौ करोति, सः विधिः कथ्यते –

(1) प्रयोगात्मकविधिः
(2) निरीक्षणविधिः
(3) अन्तर्दर्शनविधिः
(4) ऐतिहासिकविधिः

93. निषेध–विकल्पयोः का संज्ञा भवति?

(1) भावसंज्ञा
(2) धातु संज्ञा
(3) विभाषा संज्ञा
(4) सुभाषा संज्ञा

94. अभिप्रेरणात्मकचक्रस्य त्रयाणां प्रमुख क्रमिकसोपानानां समुचितः क्रमोऽस्ति –

(1) आवश्यकता → अन्तर्नोदः → प्रोत्साहनम्
(2) अन्तर्नोदः → आवश्यकता → प्रोत्साहनम्
(3) प्रोत्साहनम् → अन्तर्नोदः → आवश्यकता
(4) अन्तर्नोदः → प्रोत्साहनम् → आवश्यकता

95. अधिगमस्य अन्तर्दृष्टेः सिद्धान्तस्य प्रतिपादकौ आस्ताम् –

(1) कोहलर–थॉर्नडाइक
(2) कोहलर–कोफ्का
(3) हॉल–स्किनर
(4) ब्रूनर–कोहलर

96. 'यूनस्तिः' इति सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति –

(1) युवती
(2) युवा
(3) युवतिः
(4) युवनी

97. 'मि' प्रत्ययान्तस्य पदस्य प्रयोगः कस्मिन् लिङ्गे भवति?

(1) पुंल्लिङ्गे
(2) नपुंसकलिङ्गे
(3) उभयलिङ्गे (स्त्रीपुंसयोः)
(4) स्त्रीलिङ्गे

98. 'हंसौ' इत्यस्य विग्रहः भवति –

(1) हंसी च हंसी च इति
(2) हंसश्च कपोतश्च इति
(3) हंसी च कपोतश्च इति
(4) हंसी च हंसश्च इति

99. 'कारणा, हारणा, आसना' इत्यत्र प्रत्ययो भवति –

(1) 'आतो युच्' सूत्रेण युच् प्रत्ययः
(2) 'ण्यासश्रन्थो युच्' सूत्रेण युच् प्रत्ययः
(3) 'ल्युट् च' सूत्रेण ल्युट् प्रत्ययः
(4) 'आतो युक् चिण्कृतोः' सूत्रेण युक् प्रत्ययः

100. अवर्णान्तस्य सर्व शब्दस्य षष्ठीविभक्तौ बहुवचने सुट् आगमः भवति –

(1) 'सु नपुंसकस्य' सूत्रेणं
(2) 'सुट् तिथोः' सूत्रेण
(3) 'आमि सर्वनाम्नः सुँट्' सूत्रेण
(4) 'सुट् कात्पूर्वः' सूत्रेण

101. 'पीतम् अम्बरं यस्य सः' इति विग्रहे समासः भवति –

(1) 'वर्णो वर्णेन' सूत्रेण
(2) 'उपमानानि सामान्यवचनैः' सूत्रेण
(3) 'अनेकमन्यपदार्थे' सूत्रेण
(4) 'विशेषणं विशेष्येण बहुलम्' सूत्रेण

102. सवर्ण संज्ञायां बाह्य–प्रयत्नाः निरर्थकाः सन्ति तेषामनुपयुक्तत्वात् कुत्रोपयोगिता भवति?

(1) संयोग संज्ञा सम्पादनाय
(2) घी संज्ञा सम्पादनाय
(3) बृहत्त्रयी महासंज्ञा सम्पादनाय
(4) आन्तरतम्य परीक्षायां सफलतायै

103. मनोविज्ञानस्य सर्वप्रथमं प्रयोगशालायाः संस्थापकत्वेन कः प्रसिद्धः?

(1) जॉन डीवी
(2) विलहेम वुण्ट
(3) सैंट्रोक
(4) जेम्स ड्रीवर

104. लण् सूत्रस्याकारस्येत्संज्ञायाः किं प्रयोजनम्?

(1) अहः संसिद्धयै
(2) भूयो–भूयः प्रत्याहारः संसिद्धयै
(3) "र" प्रत्याहार संसिद्धयै
(4) "इण्" प्रत्याहार संसिद्धयै

105. 'द्वितीयासमर्थात् धर्मप्रातिपदिकात्' आचरति अर्थे प्रत्ययो भवति –

(1) ठञ्
(2) ठक्
(3) ठन्
(4) ठण्

106. 'अधितिष्ठति' इति प्रयुक्ते आधारस्य संज्ञा भवति –

(1) अधिकरण संज्ञा
(2) करण संज्ञा
(3) कर्म संज्ञा
(4) अपादान संज्ञा

107. चतुर्थ्यन्तसुँबन्तस्य तदर्थवाचकेन सुबन्तेन सह समासः प्रकृतिविकृतिभावे एव भवति। अत्र उदाहरणम् अस्ति –

(1) रन्धनस्थाली (2) अश्वघासः

(3) यूपदारु (4) गोहितम्

108. 'तदन्तविधिं' शब्दकौस्तुभे केन सूत्रेण कथितम्?

(1) 'तेन विधि' इति (2) 'येन विधि' इति

(3) 'केन विधि' इति (4) 'यया विधि' इति

109. 'अलोऽन्त्यस्य' सूत्रेण षष्ठी निर्दिष्टस्य .... आदेशः स्यात्।

(1) अन्त्यस्याल (2) आदेःअल

(3) अन्त्यस्य हल (4) आदेःहल

110. 'सुन्वन्ति' इत्यत्र 'नु' विकरणस्य भवति –

(1) 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' इति गुणः। (2) 'लोपश्चास्यान्यतरस्यां म्वोः' इति उकारलोपः।

(3) 'इकोयणचि' इति यणादेशः। (4) 'हुश्नुवोः सार्वधातुके' इति यणादेशः।

111. मञ्जूषानुसारं सा वाच्यवाचकभावपदबोध्या शक्तिः शब्दस्यार्थावबोधकसामर्थ्यम् कतिधा भवति?

(1) द्विधा (2) त्रिधा

(3) चतुर्धा (4) चतुर्दशधा

112. 'हरिहरौ' इत्यस्मिन् पदे 'हरि' इत्यस्य पूर्व प्रयोगः केन सूत्रेण भवति?

(1) 'अल्पाच्तरम्' (2) 'द्वन्द्वे घि'

(3) 'झयः' (4) 'तस्मान्नुडचि'

113. 'ल्यूट् च' सूत्रेण धातोः 'ल्युट्' प्रत्ययो भवति भावे –

(1) पुंल्लिङ्गे (2) नपुंसकलिङ्गे

(3) स्त्रीलिङ्गे (4) सर्वलिङ्गेषु

114. 'उपसर्गादृति धातौ' इत्यनेन सूत्रेण .... एकादेशः भवति।

(1) गुण (2) पररूप

(3) पूर्वरूप (4) वृद्धिः

115. अभिप्रेरणस्य भागद्वयस्य समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) शारीरिकं जैविकञ्च (2) जैविकम् अर्जितञ्च

(3) अर्जितम् अधिगतञ्च (4) शारीरिकं मनोगतञ्च

116. 'विद्' धातोः परस्य प्रत्ययस्य वसु आदेशो भवति –

(1) 'क' प्रत्ययस्य (2) 'शतृ' प्रत्ययस्य

(3) 'क्त' प्रत्ययस्य (4) 'लङ्' प्रत्ययस्य

117. '<u>ब्रह्मणः</u> प्रजाः प्रजायन्ते' इत्यत्र केन सूत्रेण का विभक्ति अस्ति?

(1) 'भुवः प्रभवः' इत्यनेन पञ्चमी (2) 'जनिकर्तुः प्रकृतिः' इत्यनेन पञ्चमी

(3) 'कर्तृकर्मणोः कृतिः' इत्यनेन षष्ठी (4) 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' इत्यनेन द्वितीया

118. 'इकोऽचि विभक्तौ' सूत्रेण कस्य आगमः भवति?

(1) 'नुद्' इत्यस्य (2) 'नुम्' इत्यस्य

(3) 'मुम्' इत्यस्य (4) 'अम्' इत्यस्य

119. गौरित्यस्य शब्दस्य महाभाष्यानुसारं युक्ति सहिता का पारिभाषा?

(1) येनोच्चारितेन सास्ना लाङ्गूल ककुदखुर विषाणिनां सम्प्रत्ययो भवति शब्दः अथवा प्रतीत पदार्थको लोके ध्वनिः शब्दः।

(2) किं यत्तत्सास्नालाङ्गूल ककुदखुर विषाण्यर्थरूपम् स।

(3) यत्तर्हि तच्छुक्लो कपिलः कपोतः इति सः शब्दः।

(4) यत्तर्हि तद्भिन्नेष्वभिन्नं छिन्नेष्वछिन्नं सामान्यभूतं स शब्दः।

120. 'औपगवः' इत्यस्य पदस्य विग्रहोऽस्ति –

(1) उपगुरपत्यम् इति
(2) औपगोरपत्यम् इति
(3) उपगोरपत्यम् इति
(4) उपगवेरपत्यम् इति

600193

121. 'अ' इत्यस्य संज्ञा भवति –

(1) वृद्धिसंज्ञा
(2) गुणसंज्ञा
(3) उपसर्गसंज्ञा
(4) संयोगसंज्ञा

122. 'अरुर्द्विषदजन्तस्य मुम्' इति सूत्रेण कस्मिन् उपपदे मुमागमः स्यात्?

(1) अव्यये
(2) अजंन्ते
(3) खिदन्ते
(4) कान्ते

600193

123. 'आहोस्वित्' अस्यार्थः भवति –

(1) संकल्पः
(2) द्विकल्पः
(3) विकल्पः
(4) आकलनम्

124. व्याकरणस्य गौणप्रयोजनानि कति सन्ति?

(1) सप्तदशः
(2) एकादशः
(3) त्रयोदशः
(4) नवसंख्याकानि

600193

125. 'मनोरथः' इत्यत्र उत्वविधायकं सूत्रमस्ति –

(1) 'हशि च'
(2) 'आद् गुणः'
(3) 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः'
(4) 'हलि सर्वेषाम्'

126. 'गौः' इति पदे वृद्धिः केन कारणेन भवति?

(1) ञिति परेण
(2) ङिति परेण
(3) ञिद्वद्भावेन
(4) णिद्वद्भावेन

127. कस्मात् अपराध कारणात् वाग्वज्रं यजमानं हिनस्ति?

600193

(1) अशुद्ध लेखनात्
(2) व्याकरणरहितनियम शून्य शब्द प्रयोगात्
(3) स्वरतोऽपराधात्
(4) शिरः कम्पनपाठात्

128. ऋवर्णान्ताद् धातोः प्रत्ययो भवति –

(1) 'यत्'
(2) 'क्यप्'
(3) 'क्यङ्'
(4) 'ण्यत्'

129. पियाजे द्वारा प्रतिपादितस्य संज्ञानात्मकोपागमस्य शिक्षामनोविज्ञाने समन्वयकत्वेन प्रसिद्धोऽस्ति –

(1) जेरोम ब्रूनर
(2) बेंजामिन ब्लूम
(3) जॉन डीवी
(4) अल्फ्रेड बिने

130. शिक्षायां तकनीकी प्रयोगे शिक्षकाणां क्षमतायाः संवर्धनार्थं 1984 तमे शैक्षिक–प्रौद्योगिकी–केन्द्रम् शिक्षण–सहायिकी–विभागश्च एतयोः विलयद्वारा केन्द्रसर्वकारद्वारा संस्थापितम् –

(1) केन्द्रीय–शैक्षिक–प्रौद्योगिकी–संस्थानम्
(2) केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(3) केन्द्रीयाभियान्त्रिकि–विश्वविद्यालयः, मुम्बई
(4) केन्द्रीय–शैक्षिकानुसन्धान परिषद्

131. 'चक्रिण्ढौकसे' इत्यस्य सन्धि–विच्छेदः अस्ति –

(1) चक्रिण् + ढौकसे
(2) चक्रिन् + ढौकसे
(3) चक्रिञ् + ढौकसे
(4) चक्रिण्ढ् + ओकसे

132. "उदात्तत्वानुदात्तत्वे वर्णधर्मौ समाह्रियेते यस्मिन् सोऽच् .... संज्ञः स्यात्।" रिक्तं स्थानं पूरयत।

(1) उदात्तः
(2) अनुदात्तः
(3) स्वरितः
(4) प्लुतः

133. 'फलव्यापारयोर्धातुराश्रये तु तिङः स्मृता' इत्यत्र व्यापाराश्रयः कः भवति?

(1) कर्ता
(2) कर्म
(3) करण
(4) सम्बन्ध

134. 'पाणिगृहीती' अत्र स्त्रीप्रत्ययोऽस्ति –

(1) ङीप्
(2) ङीष्
(3) ङीन्
(4) डीप्

135. 'ऊरूत्तरपदादौपम्ये' सूत्रस्योदाहरणमस्ति –

(1) दाक्षी
(2) कुरूः
(3) करभोरूः
(4) बैदी

136. 'मादुपधायाश्च मतोर्वोऽयवादिभ्यः' सूत्रेण मतुपः मकारस्य वकारादेशो भवति अत्र –

(1) गो + मतुप्
(2) यव + मतुप्
(3) बुद्धि + मतुप्
(4) लक्ष्मी + मतुप्

137. 'पचादिभ्यः' धातुभ्यः प्रत्ययो भवति –

(1) अच्
(2) ल्यु
(3) णिनि
(4) क

138. 'नॄन् पे' इत्यनेन सूत्रेण 'नॄन्' इत्यस्य पकारे परे कः आदेशः भवति विकल्पेन?

(1) सुः
(2) कुः
(3) रुः
(4) घुः

139. 'झ' प्रत्ययस्य स्थाने इरेच् आदेशो भवति –

(1) लिट् लकारे
(2) लोट् लकारे
(3) लङ् लकारे
(4) लृङ् लकारे

140. 'यस्य क्रियया क्रियान्तरं लक्ष्यते' ततः विभक्तिः भवति –

(1) पञ्चमी
(2) चतुर्थी
(3) सप्तमी
(4) तृतीया

141. "कठिनविषयाणां यथा गणित–लैटिन–ग्रीकादीनाम् अध्ययनेन मानवमस्तिष्कं प्रशिक्षितं जायते।" अस्य तथ्यस्य पोषकः सिद्धान्तः कः?

(1) समरूपतत्त्वानां सिद्धान्तः
(2) अन्तर्दृष्टेः सिद्धान्तः
(3) शिक्षायाः औपचारिकानुशासनस्य सिद्धान्तः
(4) शिक्षायाः अनौपचारिकानुशासनस्य सिद्धान्तः

142. 'एधिताहे' इत्यत्र तासः सकारस्य हकारादेशः भवति –

(1) 'आ च हौ' सूत्रेण
(2) 'हश्च व्रीहिकालयोः' सूत्रेण
(3) 'वा ह च' च्छन्दसि सूत्रेण
(4) 'ह एति' सूत्रेण

143. 'अजुहवुः' अत्र केन सूत्रेण गुणोऽभवत्?

(1) 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः'
(2) 'पुगन्त लघूपधस्य' च
(3) 'जुसि' च
(4) 'आद्गुणः'

144. प्रत्याहारग्रहणेषु तद्वाच्यवाच्ये निरूढालक्षणा इति सिद्धान्तं स्वीकुर्वन् मनोरमाकारेण इक् शब्देन कति वर्णाः अभिमताः?

(1) चत्वारः
(2) अष्ट
(3) षट्षष्टिः
(4) द्विसप्रति

145. प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक वुडवर्थमतानुसारं मनोविज्ञानम् अस्ति –

(1) अनुभवकर्तुः अनुभवाधारितम्
(2) प्रयत्नकर्तुः प्रयत्नाधारितम्
(3) व्यवहारकर्तुः व्यवहाराधारितम्
(4) मानसिक जीवनस्य अध्ययनम्

146. 'नीलोत्पलम्' इत्यत्र समासः भवति –

(1) 'प्रशंसावचनैश्च' सूत्रेण
(2) 'वर्णो वर्णेन' सूत्रेण
(3) 'उपमानानि सामान्यवचनैः' सूत्रेण
(4) 'विशेषणं विशेष्येण बहुलम्' सूत्रेण

147. "किशोरावस्थायाः आगमनस्य प्रमुखः संकेतोऽस्ति–संवेगात्मकविकासे तीव्रं परिवर्तनम्।" वाक्यस्यास्य वक्ताऽस्ति –

(1) एलिस क्रो
(2) बी.एन. झा
(3) कोल एवं ब्रूस
(4) क्रो एवं क्रो

148. 'मित्रे चर्षौ' अस्य प्रवृत्तिः कुत्र अभवत्?

(1) अग्निमित्रः
(2) विश्वामित्रः
(3) वैश्वानरः
(4) विश्वमित्रः

149. विकासस्य प्रक्रियासन्दर्भे समुचितं कथनं नास्ति –

(1) विकासः अन्तः क्रियायाः फलमस्ति।
(2) विकासः एका व्यक्तिगतप्रक्रिया अस्ति।
(3) विकासः विशिष्टात् सामान्यं प्रति भवति।
(4) विकासः व्यवस्थितश्रृंखलायाः अनुगामी भवति।

150. किशोरावस्थायाः आवश्यकतासन्दर्भे अनुपयुक्तं विकल्पं चिनुत –

(1) प्रसिष्ठायाः विशिष्टपदव्याश्च आवश्यकता।
(2) स्वातन्त्र्यविहीनजीवनस्य आवश्यकता।
(3) यौनसम्बन्धिनी आवश्यकता।
(4) स्पष्टजीवनदर्शनप्राप्तेः आवश्यकता।

Space for Rough Work / रफ कार्य के लिये जगह

600193

600193

600193

600193